MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY
AJMER

NOTICE

Copies of the "Syllabus and Courses of Study" prescribed for the Faculties of Arts, Fine Arts, Social Science, Science, Commerce, Law, Education, Management Studies etc. Commencing from July, Can be obtained from our authorised Agent.

On payment of the price printed on each Syllabus, Postage will be extra for copies desired by post.

Registrar

ALKA PUBLICATIONS
Purani Mandi, Ajmer
Ph. : 0145-2426301

MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY
AJMER

पाठ्यक्रम

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS & SOCIAL SCIENCE

M.A. HINDI

M.A. Previous Examination

(w.e.f. 2019-20)

M.A. Final Examination

(w.e.f. 2020-21)

संस्करण 2019

मूल्य : 20/-

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY,
AJMER

पाठ्यक्रम

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS & SOCIAL SCIENCE

M.A. HINDI

M.A. Previous Examination

M.A. Final Examination

ALKA PUBLICATIONS
Purani Mandi, Ajmer

NOTICE

1. The Ordinances and Amendments if any governing the examination in the faculties of Arts, Fine Arts, Social Sciences, Science, Commerce, Management, Engineering, Education and Law, adopted by the University are contained in a separate booklet. The students if needed are advised refer to the same.
2. Changes in Statutes/Rules/Regulations/Syllabus and Books may, from time to time, be made by amendment or remaking, and a candidate shall, except in so far as the University determines otherwise comply with any change that applies to years he has not completed at the time of change.
3. **The decision taken by the Academic Council shall be final.**

सूचना

1. कला, ललितकला, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, प्रबन्ध, अध्ययन, शिक्षा एवं विधि संकाय की परीक्षाओं को शासित करने वाले अध्यादेश एवं सम्बन्धित संशोधन यदि कोई हो, जो विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकार किये गये हैं पृथक पुस्तिका में संकलित है। छात्रों को सलाह दी जाती है कि आवश्यक होने पर इन अध्यादेशों को देखें।
2. समय-समय पर संशोधन या पुनः निर्माण कर अधिनियमों / नियमों / विनियमों / पाठ्यक्रमों व पुस्तकों में परिवर्तन किया जा सकता है, तथा किसी भी परिवर्तन को छात्र को मानना होगा बशर्ते कि विश्वविद्यालय ने अन्यथा प्रकार से उनको छूट न दी हो और छात्र ने उस परिवर्तन के पूर्व वर्ष तक पाठ्यक्रम को पूरा न किया हो।
3. विद्या परिषद द्वारा लिये गये निर्णय अन्तिम होंगे।

© MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY, AJMER
Published and Printed by ALKA PUBLICATIONS, AJMER
☎ 0145-2426301
for Maharshi Dayanand Saraswati University, Ajmer

एम.ए. हिन्दी

निर्देश : इस परीक्षा में नौ प्रश्न पत्र होगें। प्रत्येक प्रश्न पत्र का समय 3 घंटे। प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक का होगा।

अंक योजना –

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

प्रथम प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास
द्वितीय पत्र – साहित्य शास्त्र – भारतीय तथा पाश्चात्य
तृतीय पत्र – प्राचीन काव्य
चतुर्थ – मध्यकालीन काव्य

एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

पंचम प्रश्न पत्र – गद्य साहित्य
षष्ठ पत्र – आधुनिक काव्य
सप्तम पत्र – भाषा विज्ञान
भाग (क) भाषा विज्ञान के सिद्धांत
भाग (ख) हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि का इतिहास
अष्ठम – विशिष्ट साहित्यकार
(कोई एक विकल्प)
भाग (क) तुलसीदास
भाग (ख) सूरदास
भाग (ग) प्रेमचन्द
नवम पत्र – निबन्ध

एम.ए. हिन्दी

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

प्रथम प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास

अवधि 3 घंटे — पूर्णांक : 100

इसमें पाँच प्रकरण होगें। प्रत्येक प्रकरण से एक प्रश्न करना होगा।

अंक विभाजन

प्रथम प्रकरण क. आदिकाल – 20 अंक

हिन्दी साहित्य के आरम्भ की पृष्ठभूमि, काल विभाजन, सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य एवं उनकी प्रामाणिकता, आदिकालीन स्फुट

कविता, आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

द्वितीय प्रकरण ख. भक्तिकाल — 20 अंक

भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि और उसकी रूपरेखा, निर्गुण भक्ति–काव्यधारा का स्वरूप, सगुण भक्ति–काव्यधारा, रामभक्ति एवं कृष्ण भक्ति शाखा के प्रमुख कवि और उनका काव्य, प्रमुख संत कवि, भक्तिकालीन, प्रेमाख्यान काव्य परम्परा, भक्तिकालीन काव्य की सामान्य विशेषताएँ।

तृतीय प्रकरण ग. रीतिकाल — 20 अंक

रीतिकाल का नामकरण, रीतिकाव्य की पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य, हिन्दी लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, रीतिबद्ध तथा रीतिमुक्त काव्य एवं प्रमुख कवि, प्रमुख विशेषताएँ। रीतिकाल की अन्य प्रवृत्तियाँ (वीर, भक्ति और नीति काव्य)

चतुर्थ प्रकरण घ. आधुनिक काव्य (काव्य विकास) — 20 अंक

सन् 1857 की क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दुयगीन कवि एवं काव्य, द्विवेदीयुगीन कवि एवं काव्य, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनका काव्य, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता–स्वरूप, विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि।

पंचम प्रकरण च. आधुनिक काल (गद्य विकास) — 10 अंक

हिन्दी गद्य का उद्‌भव और विकास, हिन्दी उपन्यास, नाटक कहानी, निबन्ध और अन्य प्रमुख गद्य विधाओं का विकास, स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ।

हिन्दी का वैश्विक परिप्रेक्ष्य : गद्य साहित्य

हिन्दीतर राज्यों में हिंदी लेखन ,आप्रवासी भारतीयों का हिंदी लेखन।

10 अंक

सहायक पुस्तकें

1. हिन्दी साहित्य इतिहास–रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी. प्र. सभा, वाराणसी।
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास– डॉ. श्रीकृष्ण लाल, हिन्दी परिषद् विश्वविद्यालय, प्रयाग।
3. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
4. आधुनिक साहित्य की भूमिका – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय हिन्दी परिषद् विश्वविद्यालय, प्रयाग
5. स्वतंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का विकास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय।

6. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा।
7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त।
8. नया हिन्दी काव्य – शिवकुमार शुक्ल।
9. नयी कविता, स्वरूप और समस्याएँ – डॉ. जगदीश, गुप्त, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन।
10. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचन्द्र तिवारी।
11. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सम्पादक – डॉ. चातक एवं राजकुमार वर्मा।
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सम्पादक – डॉ. नगेन्द्र।

द्वितीय पत्र : साहित्य शास्त्र – भारतीय तथा पाश्चात्य

पूर्णांक : 100

अवधि 3 घंटे

इसमें पाँच प्रकरण होगें। प्रत्येक प्रकरण से एक प्रश्न करना होगा।

प्रथम प्रकरण क. रस संप्रदाय और ध्वनि सम्प्रदाय से संबंधित एक प्रश्न — 20 अंक

द्वितीय प्रकरण ख. वक्रोक्ति, अलंकार, रीति, औचित्य सम्प्रदायों से संबंधित एक प्रश्न — 20 अंक

तृतीय प्रकरण ग. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – अरस्तू का विरेचन सिद्धांत, लोंजाइनस का उदात्त तत्त्व, क्रोचें का अभिव्यंजनावाद, टी.एस. इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत — 20 अंक

चतुर्थ प्रकरण घ. पाश्चात्य आलोचना पद्धतियाँ – मनोविश्लेषणात्मक, मार्क्सवादी एवं अस्तित्ववादी। — 20 अंक

पंचम प्रकरण च. आलोचना के भेद एवं साहित्य की विविध विधाएं (महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीत, दीर्घकविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, आलोचना, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र) — 20 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. काव्यशास्त्र – डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
2. भारतीय काव्यशास्त्र – पं. बलदेव उपाध्याय।
3. पाश्चात्य कारूवसिद्धांत – डॉ. शान्तिस्वरूप गुप्त।
4. समीक्षालोक – डॉ. भगीरथ दीक्षित।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास– तारकनाथ बाली।

6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा।
7. रससिद्धांत स्वरूप विश्लेषण – डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित।
8. अभिनव रस मीमांसा – डॉ. रामशरणदास।
9. साहित्यालोचन – श्यामसुन्दरदास।
10. साहित्य शास्त्र – डॉ. रामशरणदास।
11. हिन्दी काव्यशास्त्र की भूमिका – राममूर्ति त्रिपाठी।
12. रससिद्धांत – डॉ. नगेन्द्र।

तृतीय पत्र –प्राचीन काव्य

अवधि 3 घंटे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रन्थ :

1. पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय) – चन्दवरदाई
2. जायसी ग्रन्थावली – रामचन्द्र शुक्ल (केवल सिंहलदीप खण्ड, मानसरोदक खण्ड, नखशिख वर्णन खण्ड, नागमती वियोग खण्ड)
3. कबीर वचनामृत – सं. डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. विद्यापति – आनन्दप्रकाश दीक्षित – रतन प्रकाशन मंदिर, आगरा।

अंक विभाजन

एक प्रश्न व्याख्याओं से संबंधित (प्रत्येक पुस्तक से एक–एक व्याख्या)	: 36 अंक
एक समीक्षात्मक प्रश्न ' पृथ्वीराज रासो 'से	: 16 अंक
एक समीक्षात्मक प्रश्न ' जायसी ग्रन्थावली' से	: 16 अंक
एक समीक्षात्मक प्रश्न ' कबीर वचनामृत ' से	: 16 अंक
एक समीक्षात्मक प्रश्न ' विद्यापति 'से	: 16 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. रासो विमर्श – डॉ. माता प्रसाद गुप्त।
2. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान काव्य – डॉ. श्याम मनोहर पाण्डेय, मित्र प्रकाशा, इलाहाबाद।
3. हिन्दी साहित्य का निर्गुण सम्प्रदाय – डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल।
4. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी।
5. कबीर–हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई।
6. कबीर – सं. डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

7. जायसी के काव्य का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. भीमसिंह मलिक, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।
8. आदिकाल साहित्य – डॉ. हरीश।
9. विद्यापति का काव्य – डॉ. कृष्णदेव भाटी।

चतुर्थ पत्र –मध्यकालीन काव्य

अवधि 3 घंटे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रन्थ :

1. भ्रमरगीतसार – सूरदास – सं. रामचन्द्र शुक्ल, 101 से 300 वें पद तक।
2. विनय पत्रिका (उतरार्द्ध) – तुलसीदास
3. बिहारी रत्नाकर – बिहारी प्रथम 200 दोहे।
4. मीरां पदावली – शम्भूसिंह मनोहर।
5. घनानन्द कवित – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – प्रथम 50 छन्द, प्र. सरस्वती मन्दिर वाराणसी।

अंक विभाजन

1. एक प्रश्न चार व्याख्याओं से संबंधित होगा।
   (एक व्याख्या – भ्रमरगीतसार से।
   एक व्याख्या – विनय पत्रिका से।
   एक व्याख्या – बिहारी रत्नाकर से।
   एक व्याख्या – घनानन्द कवित्त और मीरा पदावली से।)
2. विनय पत्रिका पर समीक्षात्मक प्रश्न
3. घनानन्द कवित्त और मीरा पदावली पर समीक्षात्मक प्रश्न।
4. भ्रमरगीतसार पर समीक्षात्मक प्रश्न।
5. बिहारी पर समीक्षात्मक प्रश्न।

सहायक ग्रन्थ

1. सूर की काव्यकला – डॉ. मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
2. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय – डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
3. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4. तुलसी और उनका युग – जयकिशन प्रसाद, रवीन्द्र प्रकाशन

आगरा।

5. मीरां – सुधाकर पाण्डेय।
6. भारतीय साधना और सूर साहित्य – डॉ. मुंशीराम शर्मा, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर।
7. विहारी का वाग्वैभव – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाराणसी।
8. मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी – डॉ. रामसागर त्रिपाठी।
9. मीरांबाई – कल्याणसिंह शेखावत।
10. घनानन्द – डॉ. कृष्णचन्द्र वर्मा, रवीन्द्र प्रकाशन, आगरा।
11. बिहारी काव्य वैभव – विजयपाल सिंह।

एम.ए. हिन्दी

एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

पंचम पत्र – गद्य साहित्य

पाठ्य पुस्तकें

1. बाणभट्ट की आत्मकथा–हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. स्कन्दगुप्त– जयशंकरप्रसाद
3. निबन्ध संग्रह :–
   1. शब्दों की आकर्षण शक्ति–प्रतापनारायण मिश्र
   2. मजदूरी और प्रेम–सरदारपूर्ण सिंह
   3. मेरी असफलताएँ–गुलाबराय –भारतीय संस्कृति
   4. कविता क्या है–रामचन्द्र शुक्ल
   5. भारतीय संस्कृति के स्वर–महादेवीवर्मा–भारतीय संस्कृति की पृष्ठभूमि
   6. सौंदर्यानुभूति का स्वरूप–डॉ. नगेन्द्र
   7. कुटज–हजारीप्रसाद द्विवेदी
   8. यथार्थ जगत और साहित्य –रामविलास शर्मा
   9. विकलांग श्रद्धा का दौर–हरिशंकरपरसाई
   10. अंगद की नियति–विद्या निवास मिश्र
   11. दृष्टि–अभिसार–कुबेरनाथ राय
   12. नया रचने का अर्थ–श्रीराम परिहार
4. कहानी संग्रह :–
   1. इन्दुमती–किशोरीलाल गोस्वामी, सरस्वती भाग 1, संख्या 6
   2. ठाकुर का कुआं – प्रेमचन्द
   3. गुण्डा– जयशंकर प्रसाद
   4. पर्दा – यशपाल
   5. शरणदाता – अज्ञेय
   6. खोई हुई दिशाएँ – कमलेश्वर
   7. यही सच है – मन्नु भण्डारी
   8. इन्हें भी इन्तजार है – शिवप्रसाद सिंह
   9. वारेन हेस्टिंग्स का सांड – उदय प्रकाश
   10. मेरे देश की मिट्टी – मृदुला गर्ग

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी का गद्य– साहित्य – डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. हिन्दी उपन्यास (नवीन संस्करण) – शिवनारायण, श्रीवास्तव, सरस्वती प्रकाशन, वाराणसी।
3. उपन्यास : स्थिति और गति – डॉ. चन्द्रकांत म. बांदिवडेकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. कहानियों का शिल्प विधि का विकास – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, साहित्य भवन (प्रा.) लिमिटेड, इलाहाबाद।
5. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश
6. साहित्य विधाओं की प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी, राधाकश्ष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. आज का हिन्दी उपन्यास – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
8. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियाँ – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राधाकश्ष्ण प्रकाश, दिल्ली।
9. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
10. नाट्य कला – डॉ. रघुवंश, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
11. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक – डॉ. जगदीश जोशी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।

षष्ठ पत्र –आधुनिक काव्य

अवधि 3 घंटे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रन्थ :

1. कामायनी – जयशंकर प्रसाद (केवल 'चिन्ता', 'श्रद्धा', 'लज्जा'

तथा इड़ा सर्ग)

2. साकेत – मैथिलीशरण गुप्त (केवल नवम सर्ग)
3. कुरूक्षेत्र – दिनकर (2,3 व 4 सर्ग)
4. अन्धायुग– धर्मवीर भारती

अंक विभाजन

एक प्रश्न : चार व्याख्याओ से संबंधित प्रत्येक पुस्तक से एक–एक व्याख्या : 36 अंक

एक समीक्षात्मक प्रश्न ' कामायनी ' पर : 16 अंक

एक समीक्षात्मक प्रश्न ' साकेत' पर : 16 अंक

एक समीक्षात्मक प्रश्न ' कुरूक्षेत्र ' पर : 16 अंक

एक समीक्षात्मक प्रश्न ' अन्धायुग ' पर : 16 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
2. काश्मीर, शैवदर्शन और कामायनी – डॉ. भंवरलाल जोशी, चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी।
3. नई कविता की खोज – डॉ. हरिचरण शर्मा, पदम प्रकाशन, पटना।
4. शुद्ध कविता की खोज – रामधारी सिंह दिनकर, सदयाचल प्रकाशन, पटना।
5. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह।
6. युगचारण दिनकर – डॉ. सावित्री सिन्हा।
7. नयी कविता के प्रबन्ध काव्य – डॉ. उमाकान्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

सप्तम पत्र – भाषा विज्ञान

अवधि 3 घंटे पूर्णांक : 100

1. भाषा और भाषा विज्ञान:–
   - क्र भाषा और भाषा विज्ञान की परिभाषा।
   - क्र भाषा की प्रकृति तथा अन्य ज्ञान–शाखाओं से भाषा विज्ञान का संबंध।
   - क्र भाषा विज्ञान में अध्ययन के विभाग।
   - क्र भाषा की उत्पत्ति।
   - क्र संसार की भाषाओं का वर्गीकरण (आकृतिमूलक)।

   - क्र भाषा विकास के कारण।
   - क्र भाषा के विविध रूप : – मूलभाषा, उपभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, कूटभाषा, कृत्रिम भाषा।
2. ध्वनि विज्ञान :–
   - क्र ध्वनि की परिभाषा और उसका वैधानिक आधार एवं विश्लेषण।
   - क्र ध्वनि का वर्गीकरण।
   - क्र ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
   - क्र बलाघात एवं स्वर।
   - क्र ध्वनि परिवर्तन के प्रकार।
   - क्र ध्वनि नियम ग्रिम –नियम, ग्रासमान –नियम, वर्नर– नियम, तालव्य भाव– नियम।
   - क्र हिन्दी से संबंधित विशिष्ट ध्वनि–नियमों का व्यावहारिक ज्ञान।
3. रूप विज्ञान :–
   - क्र शब्द और उनकी निर्माण पद्धति।
   - क्र पद निर्माण पद्धति और उसके भेद।
   - क्र सम्बन्ध तत्त्व के विविध प्रकार।
   - क्र सम्बन्ध तत्त्व एवं अर्थ तत्व।
   - क्र रूप परिवर्तन की दिशाएं।
4. वाक्य विज्ञान:–
   - क्र वाक्य परिभाषा।
   - क्र वाक्य का विश्लेषण।
   - क्र वाक्य प्रकार।
   - क्र वाक्य परविर्तन के कारण।
5. अर्थ विज्ञान:–
   - क्र अर्थ विज्ञान का क्षेत्र।
   - क्र अर्थ विज्ञान के कारण।
   - क्र अर्थ विज्ञान की दिशाएँ।
   - क्र बौद्धिक नियम।

6. प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएँ
   - क्र वैदिक।
   - क्र संस्कृत।
   - क्र पालि।
   - क्र प्राकृत भाषाएँ।

क्र अपभ्रंश।

7. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ:–

क्र भौगोलिक परिचय।

क्र वर्गीकरण और तत्सम्बन्धी विविध मत।

क्र भाषा वैज्ञानिक परिचय।

8. हिन्दी की उपभाषाएँ तथा बोलियाँ (भाषावैज्ञानिक परिचय):–

9. हिन्दी भाषा की संरचना:–

क्र हिन्दी शब्द स्रोत

क्र उपसर्ग एवं प्रत्यय।

क्र हिन्दी ध्वनि समूह।

क्र हिन्दी के व्याकरणिक रूप (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण – संरचना और प्रयोग)

क्र कारक–रूप एवं क्रिया–प्रत्यय।

क्र क्रिया रूप एवं काल रचना तथा क्रिया विशेषण।

क्र वाक्य प्रकार

10. लिपि और देवनागरी लिपि:–

क्र लिपि एवं भाषा का संबंध और विकास।

क्र भारत की प्राचीन लिपियाँ (ब्राह्मी, खरोष्ठी)।

क्र नागरी लिपि की वैज्ञानिकता और गुण–दोष।

क्र नागरी लिपि में संशोधन के प्रस्ताव और मानकीकरण।

11. भाषा विज्ञान की प्रगति:–

हिन्दी के विशेष संदर्भ में भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वानों के भाषा विज्ञान संबंधी कार्य

अंक विभाजन

एक प्रश्न (1) से संबंधित होगा।	: 20 अंक
एक प्रश्न (2) से संबंधित होगा।	: 20 अंक
एक प्रश्न (3,4,5) से संबंधित होगा।	: 20 अंक
एक प्रश्न (6,7,8) से संबंधित होगा।	: 20 अंक
एक प्रश्न (9,10,11) से संबंधित होगा।	: 20 अंक

नोट:–1 इस प्रश्न पत्र के किसी भी प्रश्न में टिप्पणियाँ हो सकती हैं।

2. व्युत्पत्तियों से संबंधित प्रश्न भी हो सकता है।

सहायक ग्रन्थ :–

1. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. शिवशंकर प्रसाद।
2. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
3. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी निरुक्त – किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ.धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
6. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास – डॉ. उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद।
7. हिन्दी की बोलियां एवं उपभाषाएं – डॉ. हरदेव बाहरी।
8. भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास – डॉ. जगदीश प्रसाद दीक्षित, अपोलो प्रकाशन, जयपुर।
9. हिन्दी भाषाओं का ऐतिहासिक व्याकरण – डॉ. नातादयाल जायसवाल।
10. नागरीलिपि और उसकी समस्याएं – डॉ. नरेश सिंह, मथंन पब्लिकेशन, रोहतक।
11. देवनागरी लिपि – डॉ. शिवशंकर प्रसाद।
12. सामान्य भाषा विज्ञान – अम्बाप्रसाद सुमन।
13. शैली विज्ञान – डॉ. राघव प्रकाश।

अष्ठम प्रश्न पत्र – विशिष्ट साहित्यकार

(कोई एक विकल्प)

अवधि 3 घंटे पूर्णांक : 100

अंक विभाजन

क. तुलसीदास

अवधि 3 घंटे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रन्थ :

1. रामचरितमानस – तुलसीदास (केवल अयोध्या काण्ड)
2. विनयपत्रिका
3. कवितावली (केवल उत्तराखण्ड)
4. गीतावली (बालकांड से अयोध्या कांड)

अंक विभाजन

एक प्रश्न चार व्याख्याओं से संबंधित होगा। प्रत्येक पाठ्य ग्रन्थ से एक–एक

व्याख्या होगी। : 36 अंक

तुलसीदास की जीवनी से संबंधित कोई समीक्षात्मक प्रश्न होगा: 16 अंक

तुलसीदास के कवित्व से संबंधित सामान्य समीक्षात्मक प्रश्न होगा : 16 अंक

तुलसीदास के किसी ग्रन्थ से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न होगा : 16 अंक

तुलसीदास के दर्शन, भक्ति, समाज या संस्कृति से संबंधित प्रश्न होगा : 16 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, ना. प्र. सभा, वाराणसी।
2. तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल, वाराणसी।
3. तुलसीदास – डॉ. माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद्, इलाहाबाद।
4. तुलसी–दर्शन – बलदेव प्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
5. तुलसीदास – चन्द्रबली पाण्डेय, ना.प्र. सभा, वाराणसी।
6. रामचरितमानस का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन –डॉ. राजकुमार पाण्डेय, अनुसन्धान प्रकाशन, जयपुर।
7. तुलसी : आधुनिक वातायन से – रमेशकुंतल मेघ।
8. तुलसी के भक्त्यात्मक गीत – डॉ. वचनदेव कुमार।

अथवा

ख. सूरदास

अवधि 3 घंटे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रन्थ :

1. सूर सारावली
2. साहित्य लहरी
3. सूर सागर (दशम स्कन्ध) नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी।

अंक विभाजन

एक प्रश्न चार व्याख्याओं से संबधित होगा। व्याख्याओं के लिए चार अवतरण सूरदास के उक्त ग्रन्थों से चुने जायेंगे : 36 अंक

सूर की जीवनी से संबंधित एक प्रश्न होगा : 16 अंक

एक प्रश्न सूर–काव्य से रस, दर्शन अथवा भक्ति से सम्बंधित होगा : 16 अंक

एक प्रश्न कविता अथवा शैली से सम्बन्धित होगा : 16 अंक

एक प्रश्न सूर–साहित्य परम्परा और प्रभाव से सम्बन्धित होगा : 16 अंक

सहायक ग्रन्थ

1. सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल, सरस्वती मन्दिर, वाराणसी।
2. सूर निर्णय – प्रभुदयाल मित्तल, साहित्य संस्थान, मथुरा।
3. सूर सौरभ –डॉ. मुंशीराम शर्मा।
4. सूरदास की काव्य कला – डॉ. मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
5. सूरदास – डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा, हिन्दी परिषद इलाहाबाद।
6. सूरदास– सं. डॉ. हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. सूरसाहित्य – सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी।
8. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय – दीनदयाल गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन।

अथवा

ग. प्रेमचन्द

अवधि 3 घंटे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रन्थ :

1. कुछ विचार (निबन्ध) – प्रेमचन्द
2. कर्मभूमि (उपन्यास) – प्रेमचन्द
3. रंगभूमि (उपन्यास) – प्रेमचन्द
4. मानसरोवर भाग 1 (कहानी संग्रह) – प्रेमचन्द

अंक विभाजन

चार पुस्तकों में से प्रत्येक से एक–एक व्याख्या : 40 अंक

एक प्रश्न निबन्ध संग्रह से संबंधित : 15 अंक

एक प्रश्न कर्मभूमि से संबंधित : 15 अंक

एक प्रश्न रंगभूमि से संबंधित : 15 अंक

एक प्रश्न कहानियों से संबंधित : 15 अंक

सहायक पुस्तकें :

1. प्रेमचन्द – डॉ. रामविलास शर्मा।
2. प्रेमचन्द कथाकोष – डॉ. कमलकिशोर गोयनका।
3. कलम का सिपाही – अमृतराय।
4. प्रेमचन्द – सं. डॉ. विश्वनाथ तिवारी।
5. समस्यामूलक उपन्यासकार – डॉ. महेन्द्र भटनागर ।

नवम पत्र – निबन्ध

अवधि 3 घंटे पूर्णांक : 100

निबन्ध

निर्देश :

1. किसी एक साहित्यक विषय पर एक निबन्ध लिखना है।
2. निबंध के विषय एम.ए. हिन्दी के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से संबंधित होगें। प्रश्न में 8 से अधिक विषय देने हैं परीक्षार्थी को एक विषय का चयन करना है।

संस्तुत पुस्तकें :

1. साहित्यिक निबंध – डॉ. प्रताप नारायण टंडन, लोकमारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. साहित्यिक निबंध – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकमारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. साहित्यिक निबंध – डॉ. त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
4. हिन्दी निबंध का विकास – डॉ. ओकारनाथ शर्मा, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर
5. हिन्दी निबंध का इतिहास – ब्रह्मदत्त शर्मा
6. साहित्यिक निबंध – डॉ. राजकुमार पांडेय